केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय की ओर से आयोजित "वंदे भारतम्" डांस प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

नृत्य प्रतियोगिता के फाइनल प्रोग्राम के अंदर देश के अलग-अलग राज्यों से आए सभी प्रतिभावान कलाकार, जिन्होंने अपने-अपने प्रदेश की खूबसूरत संस्कृति एवं कला को यहां प्रस्तुत किया, उन सबको मैं बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

आजादी का यह अमृत महोत्सव हमारे लोकतंत्र की 75 वर्षीय सुखद-सफल यात्रा, भारत की विविधता, विशालता और संस्कृति को जोड़ती हुई आज नए भारत के युग में प्रवेश कर रही है। आजादी का यह महोत्सव हम सबके लिए नया और विकसित भारत बनाने के संकल्प का पर्व है। इस मौके पर सभी कलाकारों ने विशालता और विविधता वाली संस्कृति की झलक देखने का हम सभी को मौका दिया और उस झलक के अंदर हम सभी को 'वसुधैव कुटुंबकम्' जो हमारा जी-20 का नारा है, उसकी सफल प्रस्तुति आज हमें देखने को मिली। हम सब जानते हैं कि हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। विशालता, विभिन्न संस्कृतियां और कला हमारी ताकत हैं। यहां मंच पर अलग-अलग प्रदेश के लोग जिस तरीके से कला के माध्यम से हमारी संस्कृति को जोड़ने का काम कर रहे हैं, उन सबको मैं शुभकामनाएं और बधाई देता हूं।

साथियों, नृत्य कला एक ऐसी विधा है, जो हर उत्सव, हर खुशी में हमारी आध्यात्मिक, हमारी सांस्कृतिक परम्पराओं का प्रतीक रहा है। मुझे याद है कि अलग-अलग प्रदेशों, जिलों के अंदर भी हमारी कला और संस्कृति, हमारे नृत्य, हमारी खूबसूरत बहुरंगी संस्कृति की झलक हम सबको एक बहुरंगी भारत का चित्रण करती है। इसीलिए हमारी प्राचीनतम जीवन पद्धति के अंदर कला, संस्कृति और नृत्य का बहुत बड़ा महत्व है। अत: आज जिन कलाकारों ने जो प्रस्तुति दी है, उसके लिए मैं उन सबको शुभकामनाएं देता हूं।

इस मौके पर पर्यटन, कला, संस्कृति विभाग के मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी जी, श्रीमती मीनाक्षी लेखी जी, रक्षा और पर्यटन मंत्री श्री अजय भट्ट जी को भी बहुत-बहुत, शुभकामनाएं देता हूं। कला, नृत्य, संस्कृति के साथ मिलकर आपको प्रेरणा देने का जो काम करते हैं, मैं उनको भी बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। आने वाले समय के अंदर भारत की कला-संस्कृति दुनिया के अंदर हमारी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। आने वाले समय में ये कला-संस्कृति, ये विविधताएं, कत्थक आदि नृत्य, अलग-अलग क्षेत्र की कलाएं निश्चित रूप से दुनिया में भारत का नाम रौशन करेंगी और विविधता की झलक में एकता की ताकत दुनिया को दिखाएंगी।